

प्रेषक,

श्री माम राज सिंह,
सचिव,
वित्त विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उ0प्र0 राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा निदेशालय,
विभागाध्यक्ष चतुर्थतल, छठी लेविल, 22 स्टेशन रोड,
लखनऊ।

वित्त सेवाये अनुभाग-1 लखनऊ : दिनांक :: 27 मार्च, 2002

विषय:- स्वयं आहरण-वितरण अधिकारी अथवा प्रतिनियुक्त पद से सेवा निवृत्त अथवा अन्यथा सेवा से पृथक होने वाले अधिकारी/कर्मचारी के सामूहिक बीमा योजना संबंधी दावे के निस्तारण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उ0प्र0 राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा योजना का विकेंद्रीकरण शासनादेश संख्या-बीमा-768/दस-99, दिनांक 16.7.99 द्वारा किये जाने के फलस्वरूप कतिपय प्रकरणों के निस्तारण में आ रही कठिनाईयों के निराकरण के संबंध में कृपया अपने पत्र संख्या-सामू0बीमा-लेखा संकलन-निर्देशन-21/4/2001, दिनांक 2.11.2001 का संदर्भ ग्रहण करें।

2. उक्त कठिनाईयों के निराकरण हेतु सम्यक विचारोपरान्त महामहिम राज्यपाल महोदय सामूहिक बीमा योजना के दावों के निस्तारण की निम्नलिखित प्रक्रिया निर्धारित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा के ऐसे अधिकारी जो केन्द्रीय समूह बीमा योजना के लिए विकल्प न देकर उ0प्र0 द्वारा संचालित सामूहिक बीमा के विकल्प दिये हैं तथा प्रशासनिक सिविल सेवा के स्वयं आहरण अधिकारी के दावे उ0प्र0 शासन के इरला चेक, वेतन पर्ची प्रकोष्ठ द्वारा निदेशक, सामू0 बीमा निदेशालय को प्रेषित किये जायेंगे।
- 2- अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा के ऐसे अधिकारी जो प्रादेशिक सिविल सेवा सेवा विभागाध्यक्ष, प्रादेशिक सेवा वर्ग के पदोन्नत होकर अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा में आ जाते हैं और उनके द्वारा केन्द्रीय समूह बीमा योजना के लिए विकल्प दिये गया है, कि दावे उनके प्रदेश, वर्ग से संबंधित विभागाध्यक्ष द्वारा निदेशक, सामूहिक बीमा निदेशालय, उ0प्र0 को प्रेषित किये जायेंगे।
- 3- अखिल भारतीय पुलिस सेवा के ऐसे अधिकारी जो केन्द्रीय ग्रुप बीमा योजना के लिए विकल्प न देकर उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित समूह बीमा योजना

के लिए विकल्प दिये है तथा प्रादेशिक पुलिस सेवा के ऐसे अधिकारी जो प्रोन्नत होकर अखिल भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हो जाते हैं, के दावे उत्तर प्रदेश पुलिस ^{प्रशासन} मुख्या के वित्त नियंत्रक के द्वारा निदेशक, सामूहिक बीमा निदेशालय, उ०प्र०, को निस्तारण हेतु प्रेषित किये जायेंगे।

- 4- अखिल भारतीय वन सेवा के ऐसे अधिकारी, जो केन्द्रीय बीमा योजना के लिए विकल्प न देकर उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित सामूहिक बीमा योजना के लिए विकल्प दिये है, तथा प्रादेशिक वन सेवा के ऐसे अधिकारी जो प्रोन्नत होकर अखिल भारतीय वन सेवा के सदस्य हो जाते हैं, के दावे प्रमुख वन संरक्षक कार्यालय के वित्त नियंत्रक के द्वारा निदेशक, सामूहिक बीमा निदेशालय को निस्तारण हेतु प्रेषित किये जायेंगे।
- 5- वित्त एवं लेखा सेवा के स्तंभ आहरण अधिकारी एवं न्यायिक सेवा के स्तंभ आहरण अधिकारी के दावे निदेशक, कोषागार {शिविर कार्यालय, इलाहाबाद} के द्वारा निदेशक, सामूहिक बीमा निदेशालय, उ०प्र० को निस्तारण हेतु प्रेषित किये जायेंगे।
- 6- राज्य सरकार के उपरोक्त प्रस्तर-1 से 5 में उल्लिखित स्तरों के ऐसे अधिकारी/कर्मचारी जो वाह्य सेवा में प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए सेवानिवृत्त अथवा अन्यथा सेवा से पृथक हो जाते हैं, के दावे प्रस्तर-1 से 5 में वर्णित प्रक्रिया के अनुसार तथा उससे भिन्न अधिकारियों/कर्मचारियों के दावे उनके पैतृक विभागाध्यक्षों के द्वारा निदेशक, सामूहिक बीमा निदेशालय, उ०प्र० को निस्तारण हेतु प्रेषित किये जायेंगे।
- 7- उपरोक्त श्रेणियों से भिन्न अधिकारियों/कर्मचारियों के दावे पूर्ववत् शासनादेश संख्या-बीमा-768/दस-99/61/ए/99, दिनांक 16.7.1999 में दी गयी व्यवस्था के अनुसार निर्धारित किये जाते रहेंगे।
- 8- उपर्युक्त शासनादेश दिनांक 16.7.1999 के साथ संलग्न बी०एम०-12 एवं बी०एम०-13 के ध्यान पर योजना संबंधी मासिक प्राप्तिपत्रों एवं व्ययों का वितरण संलग्न प्रारूप पर निदेशक, सामूहिक बीमा निदेशालय, उ०प्र० द्वारा शासन को प्रेषित किया जायेगा।

संलग्न-यथोपरि।

भवदीय,

॥ माम राज सिंह ॥
सचिव।

संख्या-एस०ई०-684/दस-2002, तद्विदनांक
=====

- प्रतिलिपि-
- 1- श्री राज्यपाल, सचिवालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
 - 2- समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।
 - 3- विधान सभा/विधान परिषद, सचिवालय, उ०प्र०, लखनऊ।
 - 4- सैजडेट्ट कौशिक/प एकाउण्ट ऑफिस, नई दिल्ली।
 - 5- इरला चेक अनुभाग, उत्तर प्रदेश।
 - 6- निदेशक, कोषगार, उ०प्र० को इस अभ्युक्ति के साथ कि समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारियों/कोषाधिकारियों को तदनुसार सूचित करें।
 - 7- रजिस्ट्रार उच्च न्यायालय, इलाहाबाद एवं लखनऊ।
 - 8- निदेशक, उ०प्र० वित्तीय प्रबन्ध ज्ञानशिक्षण व शोध संस्थान।
 - 9- निदेशक, वित्तीय सहायकीय निदेशालय।
 - 10- प्रधान महालेखाकार, उ०प्र० को 5 प्रतियां कि महालेखाकार-समक्ष को भी उपलब्ध करायी जा सके।
 - 11- सचिवालय के समस्त अनुभाग।
 - 12- तकनीकी निदेशक, एन०आई०सी० राज्य इकाई, उ०प्र०, 6वां तल, योजना भवन, लखनऊ।
 - 13- संयुक्त निदेशक, कोषगार (सिविल कार्यालय), इलाहाबाद।
 - 14- निदेशक, विभागीय लेखा, उ०प्र०, लखनऊ।
 - 15- समस्त विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष।

आज्ञा से,

॥ प्रकाश चन्द्र सिंह ॥
अनुसचिव।

क्र.सं.	कोषागारों के नाम	पुलिस विभाग के कर्मचारियों को छोड़कर अन्य कर्मचारियों को किया गया भुगतान	पुलिस विभाग के कर्मचारियों को किया गया भुगतान	योग	योग	योग	महायोग
1		बी.मो. निधि	बचत निधि	योग	बी.मो. निधि	बचत निधि	योग
2		3	4	5	6	7	8
							548

प्रपत्र संख्या-5 । तभी धिता।

लेखाचार्जक-0011-बी.मा. तथा पेंशन निधि-107-राज्य सरकारी कर्मचारी समूह बी.मा. योजना-01-उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी समूह बी.मा. योजना-बी.मा. निधि-0101-पुलिस विभाग के कर्मचारियों को छोड़कर शेष कर्मचारियों से प्राप्त धनराशि-0102-पुलिस विभाग के कर्मचारियों से प्राप्त धनराशि-02-उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी समूह बी.मा. योजना-बचत निधि-0201-पुलिस विभाग के कर्मचारियों को छोड़कर शेष कर्मचारियों से प्राप्त धनराशि 0202-पुलिस विभाग के कर्मचारियों से प्राप्त धनराशि

क्र.सं०	कोषागार का नाम	पुलिस विभाग के कर्मचारियों को छोड़कर शेष कर्मचारियों से प्राप्त धनराशि	पुलिस विभाग के कर्मचारियों से प्राप्त धनराशि	महायोग
2		बी.मा. निधि बचत निधि योग	बी.मा. निधि बचत निधि योग	
		3	4	5
		513441	7	516471
				9

ज०आ केसबपुत्र-१०-१५ उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा योजना के अन्तर्गत की जाने वाली अभिदानों की कटौतियों का श्रेय को आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा तैयार करके बिल के साथ संलग्न किया जाएगा।

1. लेखाशीर्षक, जिसके अन्तर्गत कटौतियाँ की जा चुकी हैं, जिनका नाम है:-
 "9011-बीमा तथा पेंशन निधि-107-राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा योजना-01-उत्तर प्रदेश सरकार कर्मचारी समूह बीमा योजना-बीमा निधि-0101-पुलिस विभाग के कर्मचारियों को छोड़कर शेष कर्मचारियों को छोड़कर शेष कर्मचारियों से प्राप्त धनराशि-02-उत्तर प्रदेश सरकार कर्मचारी समूह बीमा योजना-बचतनिधि-0201-पुलिस विभाग के कर्मचारियों को छोड़कर शेष कर्मचारियों से प्राप्त धनराशि-0202-पुलिस विभाग के कर्मचारियों से प्राप्त धनराशि"

2. कोषाधार का नाम के पैनल बिल से, जिसका मुमान के प्रथम कार्य दिवस को किया जाएगा, को गयी अभिदानों की कटौती का विवरण निम्नवत् है:-

कृमिक विभाग/अधिदान योजना के अन्तर्गत अभिदानों को कुल संख्या योजना के अभिदान की कटौती की अंशुक्ति का नाम कुल धनराशि

क्र.सं.	विवरण	संख्या	कुल धनराशि
1	पुलिस विभाग के छोड़कर अन्य विभागों के कर्मचारियों के समूह के कर्मचारी अधिकारी	3	4
2	समूह के कर्मचारी अधिकारी	4	5
3	समूह के कर्मचारी अधिकारी	5	6
4	समूह के कर्मचारी अधिकारी	7	8
5	समूह के कर्मचारी अधिकारी	9	10
6	समूह के कर्मचारी अधिकारी	10	1191101

प्रमाणित किया जाता है कि अल्पकालीन रक्तियों में और सोजनल कार्य के लिए नियुक्त अधिकारियों/कर्मचारियों को छोड़कर अन्य समस्त नियमित अधिदान में नियुक्त राज्य सरकार के समस्त पूर्णकालिक अधिकारियों/कर्मचारियों से सामूहिक बीमा योजना के अन्तर्गत आस-पारा निर्धारित दर से कटौती कर ली गयी है।

आहरण एवं वितरण अधिकारी के समुद्र
 पटनाम सहित हस्ताक्षर